



NEWSLETTER

शनिवार, 06 जनवरी 2024 | वॉल्यूम - 79

Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

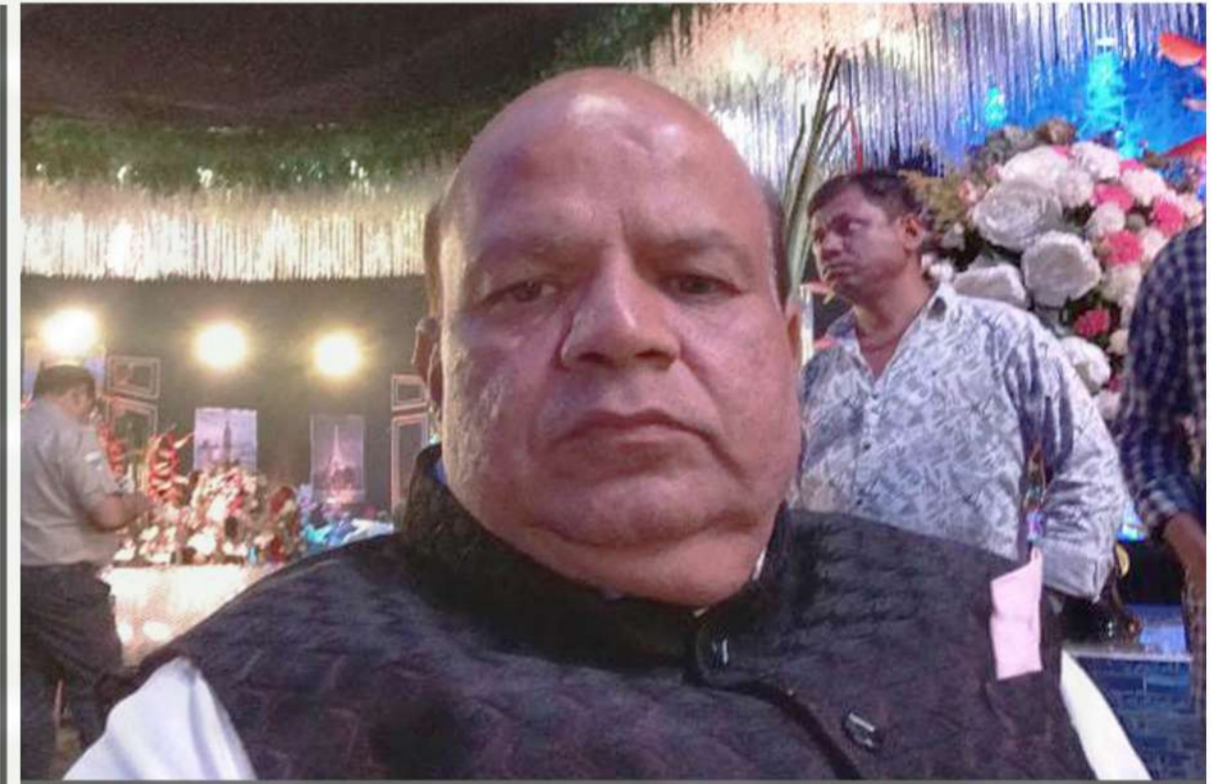


कटाई उद्योग धीमे
निर्यात से निपटने के लिए
समर्थन चाहता है



GOLD : 62579
SILVER : 72580
CRUDE OIL : 6127

“काँटन सीड संरचना और उपयोगिता”



सुधीर अग्रवाल
कुंते ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड, देवास

काँटनसीड कपास पौधे के बीज को संदर्भित करता है, जो कपड़ा उद्योग में एक प्रमुख फसल है। कपास मुख्य रूप से इसके रेशों के लिए उगाया जाता है, जिनका उपयोग कपड़ा बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बीजों का आर्थिक महत्व है।

यहाँ काँटनसीड की मांग पर तेजी और मंदी का असर जानने के लिए SIS टीम ने मध्यप्रदेश के देवास क्षेत्र से कुंत्य ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड के निर्देशक श्री सुधीर अग्रवाल जी ने बातचीत के दौरान बताया कि वह 25 सालों से ऑयल मिल चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रुई की आवक भरपूर स्तर पर है तथा भाव भी कम है। परन्तु सीड और खल के व्यापार में फ़िलहाल धारण प्रवर्ति न होने से मांग कमजोर है। इसका कारण है व्यापारियों को गत 3-4 सालों से लगातार स्टॉक करने से घाटा उठाना पड़ा है। दूसरा कारण बताया कि तुलना से तीन चार सालों से ऑइल मिल संख्या बढ़ती जा रही है यह भी कारण है की मांग तो है पर वो विभाजित हो जाने से मांग कमजोर है। CAI के आकड़ों के हिसाब से 294 लाख गठान का अनुमान है गठान का 60% सीड होता है। जिससे अनुमान है की सीड की डिमांड भविष्य में अच्छी होगी। आगे बताया की 15 जनवरी के बाद काँटन, सीड, खल तेजी आने की संभावना है।

कपास का प्राथमिक व्यावसायिक मूल्य इसके रेशों से आता है, जिनका उपयोग कपड़ा बनाने के लिए किया जाता है। कपास के बीज का उत्पादन कपास उद्योग के प्रतिफल के रूप में किया जाता है। कपास के रेशों की कटाई के बाद, बीज कपास के बीजकोषों में रह जाते हैं।

सीड की उपयोगिता:

कपास के बीज में तेल, प्रोटीन और फाइबर सहित विभिन्न घटक होते हैं। बिनौला तेल बिनौला से प्राप्त प्रमुख उत्पादों में से एक है और इसका उपयोग खाना पकाने, सलाद ड्रेसिंग और विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोगों में किया जाता है। तेल निकालने के बाद बचा हुआ बिनौला भोजन, पशु आहार के रूप में उपयोग किए जाने वाले प्रोटीन का एक मूल्यवान स्रोत है।

जानवरों का चारा:

कपास के बीज का भोजन, तेल निष्कर्षण का एक उपोत्पाद, प्रोटीन से भरपूर होता है और मवेशियों और मुर्गीपालन सहित पशुधन के लिए पूरक आहार के रूप में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

औद्योगिक उपयोग:

खाद्य उत्पादों में इसके उपयोग के अलावा, बिनौला तेल का उपयोग विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोगों में किया जाता है, जैसे साबुन, सौंदर्य प्रसाधन और रबर उत्पादों के निर्माण में उपयोग किया जाता है।

आगे बताया की काँटन की चैन को सुधार लाने के लिए इसकी जड़ मजबूत होनी चाहिए। किसानों को योग्य बीज मिलना चाहिए जिससे कपास का उत्पादन बढ़ सके कपास का उत्पादन 4 से 4.5 करोड़ प्रति वर्ष तक होगा तो कपास जुड़े हर क्षेत्र को फायदा होगा।

काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 06.01.2024

ICE COTTON

MONTH	29.12.23	05.01.24	WEEKLY CHANGE
MARCH	81.00	80.19	-0.81
MAY	82.15	81.35	-0.8
JULY	82.83	82.15	-0.68

MCX (COTTON)

JAN	56380	56100	-280
MAR	58080	57520	-560

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1558	1545	-13
-------	------	------	-----

NCDEX (COCUD KHAL)

JAN	2763	2729	-34
FEB	2778	2756	-22
MAR	2812	2786	-26

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.21	83.15	-0.06
PAK (Pakistani Rupee)	281.163	281.546	0.383
CNY (Chinese yuan)	7.08104	7.11482	0.03378
BRAZIL (Real)	4.85246	4.87520	0.02274
AUSTRALIAN Dollar	1.46738	1.48940	0.02202
MALAYSIAN RINGGITS	4.59472	4.65213	0.05741

COTLOOK "A" INDEX	91.40	90.40	-1
BRAZIL COTTON INDEX	82.25	81.96	-0.29
USDA SPOT RATE	76.96	76.33	-0.63
MCX SPOT RATE	55300	55280	-20
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17000	17800	800

GOLD (\$)	2071.80	2052.80	-19
SILVER (\$)	24.025	23.385	-0.64
CRUDE (\$)	71.33	73.95	2.62

जनवरी 2024 माह के प्रथम सप्ताह इंटरनेशनल काँटन मार्केट में मंदी देखने को मिली इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के मार्च 24, मई, 24 और जुलाई 24 माह के लिए काँटन के भाव क्रमशः 0.81, 0.80 और 0.68 सेंट तक भाव गिरे।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में गिरावट देखी गई। जनवरी माह सौदे के भाव में 280 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखी गई।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 13 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वही खल के भाव में क्रमशः जनवरी और फरवरी माह में 34 और 22 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के काँटन मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट देखी गई, यूएसडीए स्पॉट रेट 0.63 सेंट गिरे और एमसीएक्स स्पॉट रेट 800 रूपए प्रति कैंडी बढ़ा, वही ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 0.29 अंक की गिरावट दर्ज की गई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	01.01.24	02.01.24	03.01.24	04.01.24	05.01.24	06.01.24
PUNJAB	3,000	3,000	2,500	2,000	2,500	2,500
HARYANA	5,000	5,500	5,000	5,000	5,000	5,000
UPPER RAJASTHAN	9,000	8,000	9,000	9,000	8,000	8,000
LOWER RAJASTHAN	6,500	6,500	6,500	6,500	6,000	6,000
NORTH ZONE	23,500	23,000	23,000	22,500	21,500	21,500
GUJRAT	36,000	38,000	34,000	38,000	37,000	36,000
MADHYA PRADESH	5,000	8,000	9,000	8,000	8,000	8,000
MAHARASHTRA	45,000	55,000	55,000	55,000	55,000	55,000
CENTRAL ZONE	86,000	101,000	98,000	101,000	100,000	99,000
KARNATAKA	17,000	14,000	17,000	14,000	16,000	16,000
ANDHRA PRADESH	5,000	8,000	7,000	6,000	6,000	6,000
TELANGANA	25,000	45,000	30,000	40,000	45,000	40,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	47,000	67,000	54,000	60,000	67,000	62,000
ODISHA	-	1,800	2,000	2,000	2,000	1,500
TOTAL	156,500	192,800	177,000	185,500	190,500	184,000

ARRIVAL IN 170 Kg.



POONAM ENGINEERING WORKS

All Pulses Dall Mill are Manufacturing | Grain Cleaning Plant,
Besan Plant | Chakki Aata Plant | Industrial Dust Collector etc.

Our New Established Farm



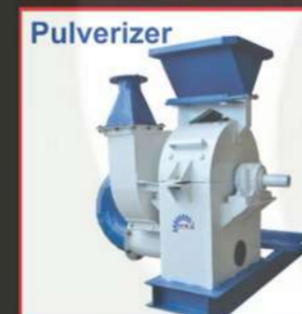
Gravity Separator



Vibro Separator (MTRA)



Sheet Cutting CNC Lezer Machine



Pulverizer



Centrifugal



Tubes Cutting CNC Lezer Machine



Grain Dryer



Grain Dryer Trolley



Plot No. N-243 & N-246 MIDC Phase 4, Near Yevta Square, Akola Growth Center, Shivapur, Akola, Dist. Akola - MH (INDIA) - 444 104

Mob.: +91 9766477484, +91 9730003529, 0724-2991484

Office No. : +91 9371007484

Web : www.poonamengworks.in

Email : poonamengworks4@gmail.com

कताई उद्योग धीमे निर्यात से निपटने के लिए समर्थन चाहता है



कपड़ा मिल संघों ने शुक्रवार को भारत के कताई क्षेत्र के लिए वित्तीय सहायता उपायों की मांग की, जो लंबे समय से यूक्रेन-रूस संघर्ष, हालिया इज़राइल-हमास युद्ध, कपास पर 11% आयात शुल्क और मानव निर्मित फाइबर पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से संबंधित मुद्दों से प्रभावित है। एल

क्षमता उपयोग में 50% से 70% की गिरावट का हवाला देते हुए, भारतीय कपड़ा उद्योग परिषद (CITI) ने मूल राशि के पुनर्भुगतान के लिए एक साल की मोहलत का विस्तार करने और आपातकालीन ऋण के तहत तीन साल के ऋण को बदलने की मांग की। छह साल की अवधि के ऋणों में लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस)।

सीआईटीआई के चेयरमैन राकेश मेहरा ने कताई क्षेत्र में आने वाले अप्रत्याशित संकट को कम करने, कई लाख लोगों की नौकरी जाने से रोकने के लिए "मामले-दर-मामले आधार पर कार्यशील पूंजी पर तनाव को कम करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता" के विस्तार पर भी जोर दिया। बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखना, और परिकल्पित निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करना।

कपड़ा उद्योग को ईसीएलजीएस के तहत 16,920 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण समर्थन मिला था, जो 30 सितंबर, 2022 तक 2.82 लाख करोड़ रुपये के कुल संवितरण का लगभग 6% था।

हालाँकि, सूती धागे के निर्यात में 50% की गिरावट, सूती वस्त्रों के कुल निर्यात में 23% की गिरावट और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कुल कपड़ा और वस्त्र उत्पादों में 18% की कमी के साथ कताई खंड को अब गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। पिछले वर्ष के लिए, CITI ने कहा

सूरत टेक्सटाइल सेक्टर को बिजली सब्सिडी का इंतजार



सूरत में कपड़ा क्षेत्र को अभी भी 2019 गुजरात कपड़ा नीति में गारंटीकृत बिजली सब्सिडी का इंतजार है।

जिला उद्योग केंद्र और सूरत जिला कलेक्टर द्वारा अनुमोदित 3,800 से अधिक उद्यमियों के सपने राज्य सरकार द्वारा अधूरे रह गए हैं। कपड़ा नीति के लिए 31 दिसंबर 2023 की समय सीमा बीत जाने के कारण अनिश्चितता का असर उद्योग पर पड़ रहा है।

वादा किया गया सब्सिडी मूल्य रु. एलटी (लो टेंशन) कनेक्शन के लिए 3 प्रति यूनिट और रु. एचटी (हाई टेंशन) कनेक्शन के लिए 2 प्रति यूनिट - बढ़ती ऊर्जा लागत से जूझ रहे क्षेत्र को पुनर्जीवित करने का लक्ष्य।

दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष विजय मेवावाला ने कहा, "हमने सब्सिडी के वितरण के बारे में एक शब्द भी नहीं सुना है। हमने राज्य सरकार को पत्र लिखकर फाइलों को मंजूरी देने का आग्रह किया है। हमारी आशा है कि ये 3,800 आवेदन, जिनमें से प्रत्येक एक बुनकर के सपने का प्रतिनिधित्व करता है, आखिरकार दिन का उजाला देखेंगे।

कपड़ा क्षेत्र न केवल गुजरात की अर्थव्यवस्था को ईंधन देता है, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका भी चलाता है, जिससे देरी से मिलने वाली सब्सिडी विश्वास के साथ धोखा है और सूरत में कपड़ा सपने के आधार के लिए एक गंभीर खतरा है।

सूरत के पावरलूम उद्योग के नेता मयूर गोलवाला कहते हैं, "सरकार को बैकलॉग को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आशा का ताना-बाना निराशा में न बदल जाए।"

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

भारत में उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद के लिए कपास की खेती का पुनरुद्धार

भारत में कपास के गिरते उत्पादन को रोकने के उद्देश्य से, केंद्र सरकार ने हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र और तेलंगाना में कपास की खेती को रोगग्रस्त क्षेत्रों से रोग-मुक्त खेती योग्य और सिंचित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने को बढ़ावा देने की योजना बनाई है।

ब्राज़ील का कपास उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया

क्षेत्रफल और उत्पादकता दोनों में वृद्धि के कारण, ब्राज़ील में 2022/23 सीज़न में कपास का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक आपूर्ति भी बढ़ी। हालांकि, उपलब्धता में वृद्धि के कारण मांग नहीं बढ़ी, क्योंकि प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों ने खिलाड़ियों को व्यापार से दूर कर दिया, जिससे विनिर्मित वस्तुओं की बिक्री सीमित हो गई। मांग की तुलना में अधिक आपूर्ति ने भंडार को बढ़ावा दिया, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कपास की कीमतों में गिरावट आई।

तमिलनाडु : इरोड के कपड़ा बाजार में पोंगल से पहले बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई है

पोंगल जल्द ही 15 और 16 जनवरी को मनाया जाएगा, शहर के कपड़ा बाजारों में खुदरा और थोक बिक्री में सुधार हुआ है, क्योंकि अन्य जिलों और राज्यों के व्यापारी खरीदारी के लिए आए हैं। ई.के.एम. में कपड़ा सामग्री बेचने वाली 3,100 से अधिक दुकानें संचालित होती हैं।

पाकिस्तान: दिसंबर के आखिरी दो हफ्तों में कपास की आवक 1.8% अधिक है

पाकिस्तान कॉटन जिनर्स एसोसिएशन (पीसीजीए) द्वारा बुधवार को जारी नवीनतम पाक्षिक आंकड़ों से पता चलता है कि 15 दिसंबर, 2023 की तुलना में 31 दिसंबर, 2023 तक पाकिस्तान में कपास की आवक में 1.8% की मामूली वृद्धि देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में कपास की कुल आवक 15 दिसंबर, 2023 को दर्ज की गई 8.024 मिलियन गांठ की तुलना में बढ़कर 8.171 मिलियन गांठ हो गई, जो 0.147 मिलियन गांठ की वृद्धि है।

बांग्लादेश: निर्यात, आयात के लिए माल ढुलाई शुल्क बढ़ा

दुनिया के सबसे व्यस्त शिपिंग मार्गों में से एक, लाल सागर पर वाणिज्यिक जहाजों पर पिछले महीने हुए हमलों के बाद बांग्लादेशी निर्यातकों और आयातकों को अमेरिका और यूरोप में उच्च माल ढुलाई शुल्क का भुगतान करना पड़ रहा है।

कॉटन फिजिकल मार्केट जनवरी माह के पहले सप्ताह कॉटन के भाव में कहीं बढ़त तो कहीं गिरावट वाला माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा। नार्थ, साउथ और सेंट्रल तीनों झोनो में कहीं बढ़त तो कहीं गिरावट देखी गई।

नार्थ झोन पंजाब में सबसे ज्यादा 75 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखी गई। अपर राजस्थान में भी 25 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखने को मिली, हरियाणा का मार्केट 20 रुपए प्रति मंड गिरा।

वही सेंट्रल झोन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात बाजार में क्रमशः 200,300 और 100 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई।

साउथ झोन मार्केट में भी ओडिशा मार्केट में 300 कैंडी की गिरावट देखी गई। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक मार्केट स्थिर रहा। तेलंगाना में 200 रुपए कैंडी की बढ़त रही।

STATE		STAPLE LENGTH		01.01.24		06.01.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH			
NORTH ZONE								
PUNJAB	28.5	5,450	5,550	5,425	5,475			-75
HARYANA	27.5/28	5,420	5,420	5,400	5,400			-20
UPER RAJASTHAN	28	5,075	5,525	5,000	5,500			-25
CENTRAL ZONE								
GUJARAT	29	54,700	55,300	55,300	55,500			200
MADHYA PRADESH	29	54,000	54,500	54,300	54,800			300
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,300	54,800	54,400	54,900			100
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
SOUTH ZONE								
ODISHA	29.5+	55,500	55,600	55,200	55,300			-300
KARNATAKA	29 mm	54,500	55,000	54,000	55,000			0
ANDHRA PRADESH	29	54,000	54,500	54,000	54,500			0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	55,200	55,400	55,200	55,600			200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								



NEWSLETTER

Saturday, 06 January 2024 | Volume - 79

Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News



Spinning industry seeks support to tide over slow exports



GOLD :62579
SILVER : 72580
CRUDE OIL : 6127

“Cotton Seed Composition and Uses”



Sudhir Agrawal
Kuntay Oils Pvt Limited, Dewas

Cottonseed refers to the seeds of the cotton plant, which is a major crop in the textile industry. Cotton is grown primarily for its fibers, which are used to make cloth, but its seeds have economic importance.

Here, to know the impact of boom and recession on the demand of cottonseed, SIS team, during the conversation, Shri Sudhir Agarwal, Director of Kuntay Oils Private Limited from Dewas area of Madhya Pradesh, told that he has been running an oil mill for 25 years. He told that at present the arrival of cotton is at full level and the price is also low. But at present the demand is weak due to lack of sustainability in the seed and mortar trade. The reason for this is that traders have had to suffer losses due to continuous stocking for the last 3-4 years. The second reason given is that the number of oil mills has been increasing since last three-four years as compared to the previous one. This is also the reason that the demand is there but due to fragmentation the demand is weak. According to CAI data, it is estimated that 294 lakh bales are produced and 60% of the bales are seeds. Due to which it is estimated that the demand for seeds will be good in future. It was further told that after January 15, there is a possibility of increase in cotton, seed and mortar prices.

The primary commercial value of cotton comes from its fibers, which are used to make cloth. Cotton seeds are produced as a byproduct of the cotton industry. After the cotton fibers are harvested, the seeds remain in the cotton bolls.

Usefulness of seeds:

Cotton seeds contain various components including oil, protein and fiber.

Cottonseed oil is one of the major products obtained from cottonseed and is used in cooking, salad dressing and various industrial applications. Cottonseed meal, remaining after oil extraction, is a valuable source of protein used as animal feed.

Animal feed:

Cotton seed meal, a byproduct of oil extraction, is rich in protein and is widely used as supplemental feed for livestock, including cattle and poultry.

Industrial application:

In addition to its use in food products, cottonseed oil is used in a variety of industrial applications, such as in the manufacturing of soaps, cosmetics, and rubber products.

He further said that to improve the cotton chain, its roots should be strong. Farmers should get suitable seeds so that the production of cotton can increase. If the production of cotton will be 4 to 4.5 crore per year, then every area related to cotton will benefit.

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 06.01.2024

ICE COTTON

MONTH	29.12.23	05.01.24	WEEKLY CHANGE
MARCH	81.00	80.19	-0.81
MAY	82.15	81.35	-0.8
JULY	82.83	82.15	-0.68

MCX (COTTON)

JAN	56380	56100	-280
MAR	58080	57520	-560

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1558	1545	-13
-------	------	------	-----

NCDEX (COCUD KHAL)

JAN	2763	2729	-34
FEB	2778	2756	-22
MAR	2812	2786	-26

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.21	83.15	-0.06
PAK (Pakistani Rupee)	281.163	281.546	0.383
CNY (Chinese yuan)	7.08104	7.11482	0.03378
BRAZIL (Real)	4.85246	4.87520	0.02274
AUSTRALIAN Dollar	1.46738	1.48940	0.02202
MALAYSIAN RINGGITS	4.59472	4.65213	0.05741

COTLOOK "A" INDEX	91.40	90.40	-1
BRAZIL COTTON INDEX	82.25	81.96	-0.29
USDA SPOT RATE	76.96	76.33	-0.63
MCX SPOT RATE	55300	55280	-20
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17000	17800	800

GOLD (\$)	2071.80	2052.80	-19
SILVER (\$)	24.025	23.385	-0.64
CRUDE (\$)	71.33	73.95	2.62

There was a recession in the international cotton market in the first week of January 2024.

Cotton prices for the months of March 24, May, 24 and July 24 on the International Cotton Exchange fell by 0.81, 0.80 and 0.68 cents respectively.

A decline was seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. A decline of Rs 280 per candy was seen in the deal price in the month of January.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 13 per 20 kg, while the price of Khal fell by Rs 34 and Rs 22 per quintal in the months of January and February respectively.

If we look at the cotton market of other countries, a decline was seen in the Cotlook "A" index, USDA spot rate fell by 0.63 cents and MCX spot rate increased by Rs 800 per candy, while a decline of 0.29 points was recorded on the Brazilian Cotton Index.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	01.01.24	02.01.24	03.01.24	04.01.24	05.01.24	06.01.24
PUNJAB	3,000	3,000	2,500	2,000	2,500	2,500
HARYANA	5,000	5,500	5,000	5,000	5,000	5,000
UPPER RAJASTHAN	9,000	8,000	9,000	9,000	8,000	8,000
LOWER RAJASTHAN	6,500	6,500	6,500	6,500	6,000	6,000
NORTH ZONE	23,500	23,000	23,000	22,500	21,500	21,500
GUJRAT	36,000	38,000	34,000	38,000	37,000	36,000
MADHYA PRADESH	5,000	8,000	9,000	8,000	8,000	8,000
MAHARASHTRA	45,000	55,000	55,000	55,000	55,000	55,000
CENTRAL ZONE	86,000	101,000	98,000	101,000	100,000	99,000
KARNATAKA	17,000	14,000	17,000	14,000	16,000	16,000
ANDHRA PRADESH	5,000	8,000	7,000	6,000	6,000	6,000
TELANGANA	25,000	45,000	30,000	40,000	45,000	40,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	47,000	67,000	54,000	60,000	67,000	62,000
ODISHA	-	1,800	2,000	2,000	2,000	1,500
TOTAL	156,500	192,800	177,000	185,500	190,500	184,000

ARRIVAL IN 170 Kg.



POONAM ENGINEERING WORKS

| All Pulses Dali Mill are Manufacturing | Grain Cleaning Plant, | Besan Plant | Chakki Aata Plant | Industrial Dust Collector etc.



VIRAJ AGRO TECH
SPECIALIZE IN :
CNC LEZER TUBE CUTTING, CNC LEZER PLAT CUTTING

Gravity Separator



Vibro Separator (MTRA)



Sheet Cutting CNC Lezer Machine



Pulverizer



Centrifugal



Tubes Cutting CNC Lezer Machine



Grain Dryer



Grain Dryer Trolley












Plot No. N-243 & N-246 MIDC Phase 4, Near Yevta Square, Akola Growth Center, Shivapur, Akola, Dist. Akola - MH (INDIA) - 444 104

Mob.: +91 9766477484, +91 9730003529, 0724-2991484

Office No. : +91 9371007484

Web : www.poonamengworks.in Email : poonamengworks4@gmail.com

Spinning industry seeks support to tide over slow exports



The textile mill associations on Friday sought financial support measures for India's spinning segment which is hit by the prolonged Ukraine-Russia conflict, the recent Israel-Hamas war, an 11% import duty on cotton and issues related to Quality Control Orders on man made fibre l.

Citing a 50-70% drop in capacity utilization 50% to 70%, the Confederation of Indian Textile Industry (CITI) sought extension of the one-year moratorium for repayment of the principal amount, and conversion of three-year loans under Emergency Credit Line Guarantee Scheme (ECLGS) into six-year term loans.

Rakesh Mehra, CITI chairman also pushed for an extension of "necessary financial assistance to mitigate the stress on working capital, on a case-to-case basis" to mitigate the unforeseen crisis plaguing the spinning sector, prevent job losses to several lakh people, sustain the market share, and achieve the envisaged export targets.

The textile industry had received critical support worth Rs 16,920 crore under the ECLGS, constituting approximately 6% of the total disbursement of Rs 2.82 lakh crore as of September 30, 2022.

However, the spinning segment now faces a severe crisis with a 50% decline in cotton yarn exports, a 23% drop in overall exports of cotton textiles, and an 18% reduction in total textiles and clothing products during the financial year 2022-23 compared to the previous year, CITI said.

Surat textile sector awaiting power subsidy



The textile sector in Surat is still awaiting the power subsidy guaranteed in the 2019 Gujarat Textile Policy.

The dreams of more than 3,800 entrepreneurs, approved by the District Industries Centre and Surat District Collector, remain unfulfilled by the State Government. As the deadline of 31st December 2023 for the Textile Policy has gone by, uncertainty affects the industry.

The promised subsidy cost is Rs. 3 per unit for LT (Low Tension) connections and Rs. 2 per unit for HT (High Tension) connections – aimed to revive the sector struggling with increasing energy costs.

Vijay Mevawala, Vice President of the Southern Gujarat Chamber of Commerce and Industry, expressed "We haven't heard a word about the disbursement of the subsidy. We've written to the State Government, urging them to clear the files. Our hope is that these 3,800 applications, each representing a weaver's dream, will finally see the light of day."

The textile sector not only fuels Gujarat's economy but also sustains millions of livelihoods, making the delayed subsidy a betrayal of trust and a serious threat to the base of the textile dream in Surat.

Mayur Golwala, leader of Surat's powerloom industry, states "The Government must act swiftly to clear the backlog and ensure that the fabric of hope doesn't unravel into despair."

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

Revival of cotton cultivation to help boost production in India

With an aim to arrest the falling production of cotton in India, the Central Government plans to promote shifting of cotton cultivation from disease-infested areas to disease-free cultivable and irrigated areas in Haryana, Rajasthan, Punjab, Maharashtra and Telangana.

Brazil's cotton production reaches record level

Cotton production in Brazil reached record levels in the 2022/23 season, driven by increases in both acreage and productivity. Global supply also increased. However, demand did not increase as availability increased, as adverse economic conditions drove players away from the business, limiting sales of manufactured goods. More supply than demand led to stockpiles, leading to a decline in domestic and international cotton prices.

Pakistan: Cotton arrivals up 1.8% in last two weeks of December

The latest fortnightly data released by the Pakistan Cotton Ginners Association (PCGA) on Wednesday showed that cotton arrivals in Pakistan witnessed a marginal growth of 1.8% till December 31, 2023 as compared to December 15, 2023. According to the report, total cotton arrivals in Pakistan increased to 8.171 million bales as compared to 8.024 million bales recorded on December 15, 2023, an increase of 0.147 million bales.

New cotton prices have fallen due to fewer buyers.

A surge in cotton supply in the spot markets amid a fall in purchases from textile mills has pushed down new season cotton prices, leading to increased purchases by the Cotton Corporation of India (CCI).

Bangladesh: Freight charges increased for exports, imports

Bangladeshi exporters and importers are having to pay higher freight charges to the US and Europe after last month's attacks on commercial ships on the Red Sea, one of the world's busiest shipping routes.


Cotton Physical Market: In the first week of January, there was an increase and sometimes a fall in the price of cotton.

This week was a volatile one for the cotton physical market. In all three zones, North, South and Central, there was some increase and some decline.

The maximum fall of Rs 75 per maund was seen in North Zone Punjab. A fall of Rs 25 per maund was also seen in Upper Rajasthan, Haryana market fell by Rs 20 per maund.

In the Central Zone, Madhya Pradesh, Maharashtra and Gujarat markets saw an increase of Rs 200,300 and Rs 100 per candy respectively.

In South Zone market also a decline of 300 candies was seen in Odisha market. Andhra Pradesh and Karnataka markets remained stable. There was an increase of Rs 200 candy in Telangana.

 SMART INFO SERVICES india.smartinfo@gmail.com Call : 91119 77775						
DATE: 06.01.2024						
WEEKLY COTTON BALES MARKET						
STATE	STAPLE LENGTH	01.01.24		06.01.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,450	5,550	5,425	5,475	-75
HARYANA	27.5/28	5,420	5,420	5,400	5,400	-20
UPER RAJASTHAN	28	5,075	5,525	5,000	5,500	-25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54,700	55,300	55,300	55,500	200
MADHYA PRADESH	29	54,000	54,500	54,300	54,800	300
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,300	54,800	54,400	54,900	100
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	55,500	55,600	55,200	55,300	-300
KARNATAKA	29 mm	54,500	55,000	54,000	55,000	0
ANDHRA PRADESH	29	54,000	54,500	54,000	54,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	55,200	55,400	55,200	55,600	200
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						